with the State of Punjab and Union Territory of Chandigarh;

(b) whether Government are aware that Haryana has suffered a lot in the absence of a separate High Court; and

(c) if so, whether Governnment propose to take an urgent step to bifurcate the Punjab and Haryana High Court?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPTT. OF LEGAL AFFAIRS, LEGISLATIVE DEPARTMENT AND DEPARTMENT OF JUSTICE (SHRI RAMAKANT D. KHALP): (a) Yes, Sir.

(b) The Government of India have not received any representation from the Government of Haryana about the difficulties being faced by the people of the state on account of there being a common High Court for the States of Punjab and Haryana and the Union Territory of Chandigarh.

(c) No, Sir.

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ऋणों को बट्टे-खाते में डाले जाने के कारण वाणिज्यिक बैंकों को होने वाली हानि

286. श्री ईश दत्त यादव :
श्री नागमणि :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गत दो वर्षों के दौरान व्यक्तिगत अशोध्य ऋणों को बट्टे-खाते में डाले जाने के कारण वाणिज्यिक बैंकों को कुल कितनी परिसम्पत्ति की हानि हुई है ;

(ख) क्या बैंकों को उन पक्षकारों के नाम सार्वजनिक रूप से प्रकट करने की अनुमति दी जायेगी जिनके ऋण बट्टे खाते में डाल दिए गये हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

वित्त मंत्री तथा कम्पनी कार्य मंत्री (श्री पी॰ चिदम्बरम): (क) वाणिज्यिक बैंकों द्वारा अलग-अलग व्यक्तियों के अशोध्य ऋणों को बट्टे खाते डालने से हुई हानि को भारतीय रिजर्व बैंक बट्टे खाते नहीं डालता है। इस प्रकार की हानियों को वाणिज्यिक बैंक स्वयं बट्टे खाते डालते हैं। जैसाकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है वर्ष 1993-94 और 1994-95 के दौरान सरकारी क्षेत्र के 27 बैंकों ने क्रमशः 1403.47 करोड़ रुपये तथा 1106.58 करोड़ रुपये अशोध्य ऋण की राशि बट्टे खाते डाली थी।

(ख) और (ग) ग्राहकों के खाते की गोपनीयता बनाये रखने से संबंधित मौजूदा प्रावधानों के तहत व्यक्तिगत उधारकर्ताओं/पार्टियों के नामों को सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं किया जा सकता है।

Functioning of Airports in the States

287. SHRI PRAG CHALIHA: Will the Minister of CIVIL AVIATION & TOURISM be pleased to state:

(a) what are the details of airports funtioning in different States of the union to serve civilian population as on date; and

(b) what is the size of the population in each State which is served by each of the these airports?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI CM. IBRAHIM): (a) and (b) The airports which are operational in each state of the Union and the civilian population of the State is indicated in the Statement annexed.

Statement

S1. No.	States	Population	Airports
1.	Andhra Pradesh	(6,65,08,008)	Visakhapatnam, Hyderabad, Tirupati,
2.	Arunachal Pradesh	(8,64,558)	Vijayawada and Rajahmundry;
1			Tezu and Zero;